भारतीय वैश्विक परिषद

समाचार पत्रक

अंक : 36 | जनवरी-मार्च, 2024

"थाईलैंड और भारत रणनीतिक भागीदार कैसे हो सकते हैं?" विषय पर थाईलैंड के विदेश मामलों के उप मंत्री, महामहिम श्री सिहासक फुआंगकेटकेओ द्वारा विशेष व्याख्यान, 26 फरवरी 2024

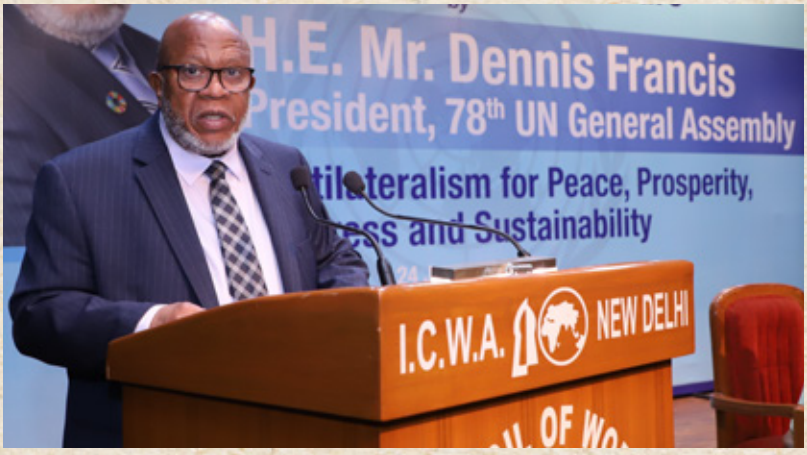

78वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष महामहिम श्री डेनिस फ्रांसिस द्वारा 'शांति, समृद्धि, प्रगति और स्थिरता के लिए बहुपक्षवाद' पर 47वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 24 जनवरी 2024

आसियान के महासचिव महामहिम डॉ. काओ किम होर्न द्वारा 'उभरते क्षेत्रीय ढांचे में भारत - आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी' पर 48वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 12 फरवरी 2024

आईओआरए दिवस के अवसर पर, 'हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा: एक सहकारी, समृद्ध, सतत और शांतिपूर्ण क्षेत्र की ओर' पर पैनल चर्चा, 7 मार्च 2024

भारत-रूस पर आईसीडब्ल्यूए-आरआईएसी संवाद: बदलती विश्व व्यवस्था में सहयोग की रूपरेखा, मॉस्को, रूस, 2 फरवरी 2024

विषय-सूची

प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 4 जनवरी 2024 5

डॉ. रफीक दोसानी, निदेशक, सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक पॉलिसी (सीएपीपी), रैंड कॉरपोरेशन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 10 जनवरी 2024 5

इंडिया फाउंडेशन द्वारा 'इंडो-पैसिफिक में मानचित्रण चुनौतियाँ' पर सम्मेलन का आयोजन,12 जनवरी 2024 6

तीसरा आईसीडब्ल्यूए- आईपीआईएस संवाद, तेहरान, ईरान, 16 जनवरी 2024 6

श्री जूसी टान्नर, महानिदेशक, कांसुलर सेवाएं, विदेश मंत्रालय, फिनलैंड ने श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 17 जनवरी 2024 7

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 17 जनवरी 2024 8

श्री वोज्शिएक कोनोन्ज़ुक, महानिदेशक-ओएसडब्ल्यू के नेतृत्व में सेंटर फॉर ईस्टर्न स्टडीज (ओएसडब्ल्यू), वारसॉ के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत, 18 जनवरी 2024 8

महामहिम श्री डेनिस फ्रांसिस, अध्यक्ष, 78वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा 'शांति, समृद्धि, प्रगति और स्थिरता के लिए बहुपक्षवाद' पर 47वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 24 जनवरी 2024 9

भारत-रूस पर आईसीडब्ल्यूए-आरआईएसी संवाद: बदलती विश्व व्यवस्था में सहयोग की रूपरेखा, मॉस्को, रूस, 2 फरवरी 2024 10

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और एशियन कॉन्फ्लुएंस (एएससीओएन) के बीच समझौता ज्ञापन का संपन्न हुआ, 5 फरवरी 2024 11

आईसीडब्ल्यूए - एनईओएसईसी, रूस ' आर्कटिक में भारत-रूस सहयोग' पर बंद कमरे में चर्चा, 9 फरवरी 2024 12

आसियान के महासचिव महामहिम डॉ. काओ किम होर्न द्वारा 'उभरते क्षेत्रीय ढांचे में भारत - आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी' पर 48वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 12 फरवरी 2024 12

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 12 फरवरी 2024 13

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल), महाराष्ट्र के छात्रों के बीच बातचीत, 14 फरवरी 2024 13

नेपाल में अमेरिकी राजदूत महामहिम श्री डीन थॉम्पसन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 14 फरवरी 2024 14

"उत्तर पूर्व एशिया के जटिल और विकसित परिदृश्य को समझना: क्षेत्रीय स्थिरता की खोज" पर पैनल चर्चा, 16 फरवरी 2024 14

हंगेरियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, बुडापेस्ट, हंगरी के अध्यक्ष डॉ. ग्लैडेन पापिन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 19 फरवरी 2024 15

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 19 फरवरी 2024 16

महामहिम राजदूत कैरेट सरयबे, महासचिव के साथ बातचीत, एशिया में सहभागिता और विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए), 20 फरवरी 2024 16

महामहिम श्रीमती इरीना बोरोवेट्स, यूक्रेन की उप विदेश मंत्री के साथ बातचीत, 21 फरवरी 2024 17

डॉ. सैयद इमामियन, सह-संस्थापक और वरिष्ठ सलाहकार, शासन और नीति थिंक टैंक, ईरान ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 21 फरवरी 2024 17

साहेल के लिए यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि प्रोफेसर इमानुएला क्लाउडिया डेल रे के साथ बातचीत, 22 फरवरी 2024 18

पोलैंड के विदेश मंत्रालय में राज्य सचिव श्री डब्ल्यू.टी. बार्टोस्ज़ेव्स्की के साथ बैठक, 23 फरवरी 2024 18

डॉ. फरीद शफ़ीयेव, राजदूत अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्लेषण केंद्र (एआईआर केंद्र) अज़रबैजान के अध्यक्ष के साथ बैठक, 23 फरवरी 2024 19

नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, यूएसए के इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईएनएसएस) के प्रतिष्ठित रिसर्च फेलो डॉ. थॉमस एफ. लिंच III ने 2024 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 23 फरवरी 2024 19

महामहिम श्री सिहासक फुआंगकेटकेओ, विदेश मामलों के उप मंत्री, थाईलैंड, द्वारा "थाईलैंड और भारत रणनीतिक भागीदार कैसे हो सकते हैं?" पर विशेष व्याख्यान, 26 फरवरी 2024 20

"सहेलियन राजनीति चौराहे पर: सामने शासन और सुरक्षा चुनौतियाँ" पर पैनल चर्चा, 29 फरवरी 2024 20

'दक्षिण काकेशस में बदलती गतिशीलता और उसके प्रभाव' पर पैनल चर्चा, 1 मार्च 2024 21

आईओआरए दिवस के अवसर पर, 'हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा: एक सहकारी, समृद्ध, सतत और शांतिपूर्ण क्षेत्र की ओर' पर पैनल चर्चा, 7 मार्च 2024 22

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 7 मार्च 2024 22

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एमएनएलयू), नागपुर के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 7 मार्च 2024 23

राजदूत भास्वती मुखर्जी द्वारा 'द इंडेंचर्ड एंड देयर रूट' पर पुस्तक चर्चा, 12 मार्च 2024 23

द्वितीय इंडिया-आरओके 2+2 संवाद (आईसीडब्ल्यूए-आरआईएस एंड के एनडीए-केआईईपी), 19-20 मार्च 2024 24

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 27 मार्च 2024 24

आउटरीच कार्यक्रम 25

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु 31

प्रकाशन 31

इंडिया क्वार्टरली - संपादकीय 35

प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली (आरआईएस), नई दिल्ली ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 4 जनवरी 2024

प्रो. सचिन चतुर्वेदी, महानिदेशक, आरआईएस, नई दिल्ली ने 04 जनवरी 2024 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की और "आरआईएस के चार दशक – दृष्टिकोण और विकास" शीर्षक से प्रकाशन की एक प्रति भेंट की।

डॉ. रफीक दोसानी, निदेशक, सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक पॉलिसी (सीएपीपी), रैंड कॉरपोरेशन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 10 जनवरी 2024

रैंड कॉरपोरेशन के सेंटर फॉर एशिया पैसिफिक पॉलिसी (सीएपीपी) के निदेशक डॉ. रफीक दोसानी ने अकादमिक और अनुसंधान सहयोग पर चर्चा करने के लिए 10 जनवरी 2024 को आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की।

इंडिया फाउंडेशन द्वारा 'इंडो-पैसिफिक में मानचित्रण चुनौतियाँ' पर सम्मेलन का आयोजन, 12 जनवरी 2024

इंडिया फाउंडेशन ने 12 जनवरी 2024 को 'इंडो-पैसिफिक में कार्टोग्राफी चुनौतियाँ' पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने दूसरे पैनल चर्चा की अध्यक्षता की। राजदूत प्रीति सरन, सदस्य, गवर्निंग काउंसिल, इंडिया फाउंडेशन ने मुख्य भाषण दिया और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. राम माधव ने विशेष भाषण दिया।

तीसरा आईसीडब्ल्यूए- आईपीआईएस संवाद, तेहरान, ईरान, 16 जनवरी 2024

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) ने 16 जनवरी 2024 को तेहरान में अपने एमओयू भागीदार इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिटिकल एंड इंटरनेशनल स्टडीज (आईपीआईएस), ईरान के साथ अपनी तीसरी वार्ता आयोजित की। संवाद बदलती विश्व व्यवस्था और द्विपक्षीय संबंधों के परिप्रेक्ष्य पर केंद्रित था। आईसीडब्ल्यूए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक आईसीडब्ल्यूए और आईपीआईएस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डॉ. शिरघोलामी, उपाध्यक्ष, आईपीआईएस ने किया। यात्रा के दौरान आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक ने आईपीआईएस के अध्यक्ष मुहम्मद हसन शेख अल-इस्लामी के साथ-साथ सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज, तेहरान के प्रमुख मुस्तफा ज़मानियन से मुलाकात की। उन्होंने तेहरान के सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के विद्वानों के साथ भी बातचीत की।
अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने उल्लेख किया कि भारत और ईरान ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंध साझा करते हैं और उन्होंने उच्च स्तरीय बातचीत की नियमित गति बनाए रखी है। भारत-ईरान संबंध केवल राजनीतिक कार्यकलापों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका लोगों से लोगों के बीच मजबूत आयाम भी है। एक नई विश्व व्यवस्था आकार ले रही है और आज एक बहुध्रुवीय विश्व चलन में है। नए शक्ति केंद्र उभर रहे हैं और रिश्तों में पुनर्संरेखण और पुनर्संतुलन हो रहा है। भारत स्पष्ट है कि वह वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत, वैश्विक दक्षिण की आवाज, क्षेत्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकास का इंजन और एक विश्वसनीय मित्र होगा। भारत क्षेत्र और उससे परे शांति और स्थिरता प्राप्त करने के लिए मित्रता बनाना चाहता है। भारत रणनीतिक स्वायत्तता का प्रयोग करके एक स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाता है।

संवाद के पहले सत्र की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। सत्र भारत-ईरान द्विपक्षीय संबंधों पर केंद्रित था। वक्ता थे दक्षिण एशिया (भारतीय उपमहाद्वीप), एमएफए के तीसरे डिवीजन के निदेशक डॉ. अलीरेज़ा मिरयूसेफ़ी; डॉ. एफ.आर. सिद्दीकी, सीनियर रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए; डॉ. घोलम रेज़ा अंसारी, भारत में ईरान के पूर्व राजदूत और डॉ. लक्ष्मी प्रिया, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए। प्रतिभागियों ने फिर से पुष्टि की कि भारत और ईरान के संबंध ऐतिहासिक हैं; उनके बीच साझा इतिहास और करीबी सभ्यतागत संबंध रिश्ते को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। कनेक्टिविटी भारत और ईरान के बीच द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ है

और दोनों पक्ष चाबहार परियोजना को गति प्रदान करने पर केंद्रित हैं। बंदरगाह ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान की है और अन्य देशों की खेप भी चाबहार के माध्यम से चली गई है। भारत ने चाबहार को आईएनएसटीसी में शामिल करने का समर्थन किया है। बंदरगाह ने अफगानिस्तान को मानवीय सहायता प्रदान की है और अन्य देशों की खेप भी चाबहार के माध्यम से चली गई है। भारत ने चाबहार को आईएनएसटीसी में शामिल करने का समर्थन किया है। भारत और ईरान शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का एक लंबा इतिहास साझा करते हैं। भारत ने नई शिक्षा नीति में फ़ारसी को भारत की नौ शास्त्रीय भाषाओं में से एक के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल अर्थव्यवस्था और डिजिटल-कनेक्टिविटी में सहयोग के नए रास्ते हैं।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता आईपीआईएस के उपाध्यक्ष डॉ. शिरघोलामी ने की और यह बदलती विश्व व्यवस्था पर भारत-ईरान परिप्रेक्ष्य पर केंद्रित था। वक्ता थे आईपीआईएस के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. सैयद काज़म सज्जादपुर, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडो-पैसिफिक स्टडीज के संस्थापक प्रोफेसर चिंतामणि महापात्रा, आईपीआईएस के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. नबी सोनबोली और आईसीडब्ल्यूए की रिसर्च फेलो डॉ. लक्ष्मी प्रिया। प्रतिभागियों ने भू-राजनीतिक प्रवाह और अनिश्चितता के बीच उभरती बहुध्रुवीयता और इसके मूल में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के साथ वैश्विक शासन के बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पर चर्चा की। यह नोट किया गया कि एससीओ और ब्रिक्स में ईरान की सदस्यता एक स्वागत योग्य प्रगति है और भारत इन मंचों पर ईरान के साथ घनिष्ठ सहयोग करने के लिए तत्पर है। यह नोट किया गया कि भारत और ईरान पर ग्लोबल साउथ की आवाज बनने की विशेष जिम्मेदारी है। भारत पिछले साल आयोजित वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में ईरान की उच्च स्तरीय भागीदारी की सराहना करता है। आतंकवाद के प्रति भारत की शून्य सहिष्णुता की नीति का उल्लेख किया गया। दोनों पक्ष इस बात से अवगत हैं कि उनके साझा पड़ोस में कई आतंकवादी समूहों को पनाह दी गई है, प्रशिक्षित किया गया है और वित्त पोषित किया गया है। इज़राइल-गाजा संघर्ष, यूक्रेन संघर्ष, लाल सागर में तनाव और समुद्री डकैती और समुद्री आतंकवाद के फिर से उभरने और हिन्द-प्रशांत में बढ़ते तनाव पर चर्चा की गई और तनाव कम करने तथा बातचीत और कूटनीति का सहारा लेने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया गया।

श्री जूसी टान्नर, महानिदेशक, कांसुलर सेवाएं, विदेश मंत्रालय, फिनलैंड ने श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 17 जनवरी 2024

श्री जूसी टान्नर, महानिदेशक, कांसुलर सेवा, विदेश मंत्रालय, फिनलैंड ने 17 जनवरी 2024 को प्रवासन और गतिशीलता से संबंधित आईसीडब्ल्यूए के कार्यों पर चर्चा करने के लिए आईसीडब्ल्यूए के अतिरिक्त सचिव, नूतन कपूर महावर से मुलाकात की। उनके साथ फिनलैंड दूतावास, नई दिल्ली के मिशन उप प्रमुख मंत्री डॉ. टीटो ग्रोनो भी थे।

भारतीय विश्व मामलों की परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 17 जनवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए और हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एचएनएलयू), रायपुर जो कि एक संस्था है जिसका नाम कानूनी विद्वान न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्ला के नाम पर रखा गया है और हिदायतुल्ला नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ, छत्तीसगढ़ अधिनियम, 2003 के अनुसार 2003 में स्थापित किया गया है, अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 3 दिसंबर 2023 को एचएनएलयू रायपुर का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और एचएनएलयू रायपुर के बीच समझौता ज्ञापन की घोषणा की। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। समझौता ज्ञापन पर 17 जनवरी 2024 को हस्ताक्षर किए गए।

श्री वोज्शिएक कोनोन्ज़ुक, महानिदेशक-ओएसडब्ल्यू के नेतृत्व में सेंटर फॉर ईस्टर्न स्टडीज (ओएसडब्ल्यू), वारसॉ के 4 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत, 18 जनवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 18 जनवरी 2024 को सप्रू हाउस में सेंटर फॉर ईस्टर्न स्टडीज (ओएसडब्ल्यू), वारसॉ, पोलैंड के साथ बातचीत की। आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने बातचीत की अध्यक्षता की। ओएसडब्ल्यू प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व निदेशक श्री वोज्शिएक कोनोन्ज़ुक ने किया। भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंधों और आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई।

महामहिम श्री डेनिस फ्रांसिस, अध्यक्ष, 78वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा 'शांति, समृद्धि, प्रगति और स्थिरता के लिए बहुपक्षवाद' पर 47वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 24 जनवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 24 जनवरी 2024 को सप्रू हाउस में 'शांति, समृद्धि, प्रगति और स्थिरता के लिए बहुपक्षवाद' विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र के अध्यक्ष महामहिम श्री डेनिस फ्रांसिस द्वारा 47वें सप्रू हाउस व्याख्यान का आयोजन किया। उन्होंने दुनिया में बढ़ती अनिश्चितताओं और संघर्ष की पृष्ठभूमि में प्रभावी बहुपक्षवाद के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सैन्य अधिग्रहणों से अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के समक्ष खतरे की बात की, जिसने पूरे पश्चिमी अफ्रीका में स्थापित आदेशों को बार-बार प्रतिस्थापित किया है; यूक्रेन के ख़िलाफ़ आक्रामक युद्ध, मध्य पूर्व में संघर्ष, हैती में संकट और यमन, म्यांमार और सूडान जैसे स्थानों में लगातार हिंसक संघर्ष, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर आंतरिक मानव विस्थापन हुआ। इसके साथ ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को जलवायु परिवर्तन, समुद्र के स्तर में वृद्धि और अरक्षणीय उपभोग और उत्पादन पैटर्न के खतरों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे

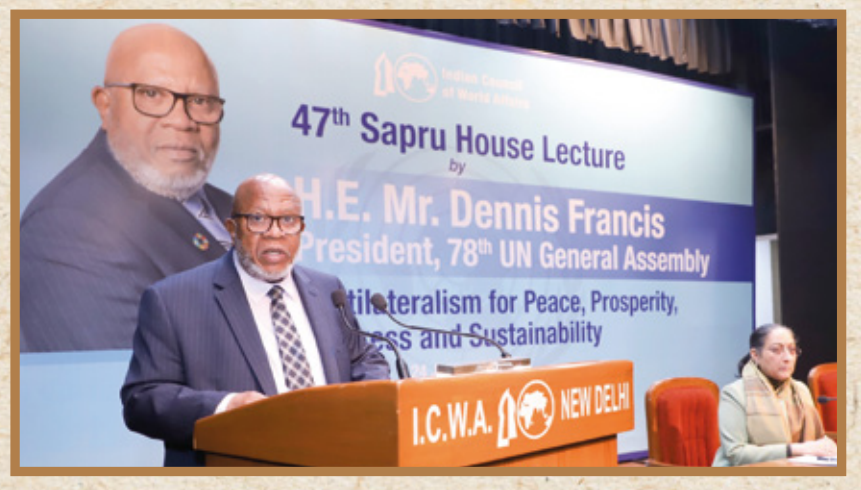

जटिलता की नई परतें बनती जा रही हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भारत के योगदान, शांति के लिए भारत के लगातार आह्वान, स्थिरता पर भारत के ध्यान केन्द्रित करने और सुधारित बहुपक्षवाद के उसके आह्वान की सराहना की। व्याख्यान की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। संयुक्त राष्ट्र, न्यूयॉर्क में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने भी अपनी बात रखी। व्याख्यान के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर सत्र हुआ।

भारत-रूस पर आईसीडब्ल्यूए-आरआईएसी संवाद: बदलती विश्व व्यवस्था में सहयोग की रूपरेखा, मॉस्को, 2 फरवरी 2024

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और रूसी अंतर्राष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) ने संयुक्त रूप से 2 फरवरी 2024 को मास्को में अपनी वार्षिक वार्ता का आयोजन किया।

उद्घाटन भाषण महामहिम इगोर इवानोव-अध्यक्ष, आरआईएसी और रूस के पूर्व विदेश मंत्री; महामहिम पवन कपूर, रूसी संघ में भारत के राजदूत; महामहिम डेनिस अलीपोव,भारत में रूसी संघ के राजदूत;राजदूत विजय ठाकुर सिंह-डीजी, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. इवान टिमोफीव, महानिदेशक, आरआईएसी द्वारा दिए गए ।

तीन सत्रों में आयोजित यह संवाद मौजूदा वैश्विक भू-राजनीतिक बदलाव, जहां विश्व व्यवस्था बदल रही है, की पृष्ठभूमि में भारत और रूस के बीच सहयोग की नई रूपरेखा पर केंद्रित है। वक्ताओं ने कहा कि भूराजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद, भारत और रूस ने आपसी विश्वास और एक-दूसरे की स्थिति के प्रति सम्मान के आधार पर अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना जारी रखा है।

पहला सत्र "बदलती विश्व व्यवस्था पर रूसी और भारतीय परिप्रेक्ष्य" पर था। इसकी अध्यक्षता आरआईएसी के अकादमिक निदेशक डॉ. एंड्रे कोर्तुनोव ने की। सत्र में वक्ताओं में हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एचएसई) विश्वविद्यालय के वाइस रेक्टर और आरआईएसी सदस्य डॉ. विक्टोरिया पैनोवा; डॉ. हिमानी पंत, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए; एमजीआईएमओ विश्वविद्यालय के वैश्विक राजनीतिक प्रक्रियाएँ विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मैक्सिम खार्केविच; प्रोफेसर गुलशन सचदेवा, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में प्रोफेसर; और आईएमईएमओ रूसी विज्ञान अकादमी (आरएएस) में हिंद महासागर क्षेत्र के केंद्र के प्रमुख डॉ. एलेक्सी कुप्रियनोव शामिल थे । भारतीय और रूसी वक्ताओं ने वर्तमान में वैश्विक भू-राजनीतिक विकास पर अपनी-अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत कीं। वक्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र जैसे मौजूदा बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने जी20, एससीओ, ब्रिक्स समेत अन्य क्षेत्रों में विकासों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

संवाद का दूसरा सत्र "रूसी-भारतीय आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी" पर था। इसका संचालन डॉ. एलेक्सी कुप्रियनोव ने किया। सत्र में वक्ता थे डॉ. एंड्री क्लेपाच, मुख्य अर्थशास्त्री, वीईबी.आरएफ; प्रोफेसर सुबा चंद्रन, डीन, स्कूल ऑफ कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस); डॉ. ओलेग शुटेंको, उप प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग समिति, रूसी उद्योगपतियों और उद्यमियों का संघ; डॉ. इवान डैनिलिन, प्रमुख, विज्ञान और नवाचार विभाग, आईएमईएमओ आरएएस और प्रोफेसर गुलशन सचदेवा। वक्ताओं ने नए वैश्विक परिवेश में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और विविधता लाने के दौरान चुनौतियों और अवसरों पर प्रकाश डाला, और परमाणु सहित ऊर्जा, वित्तीय और बैंकिंग संबंध के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया । वक्ताओं ने व्यापार और निवेश संबंधों को और अधिक बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि लोगों से लोगों के बीच, खासकर युवा संपर्क और शैक्षणिक तथा अनुसंधान समुदाय के बीच संबंधों को बढ़ाने की जरूरत है।

"यूरेशिया में बढ़ती कनेक्टिविटी: वैश्विक स्तर पर स्थानीय परियोजनाएं" विषय पर तीसरे सत्र का संचालन एचएसई विश्वविद्यालय में वर्ल्ड ऑर्डर स्टडीज और न्यू रीजनलिज्म की अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला में रिसर्च फेलो डॉ. एलेक्सी ज़खारोव द्वारा किया गया था। इस सत्र के वक्ताओं में आईसीडब्ल्यूए के वरिष्ठ अनुसंधान फेलो डॉ. अतहर ज़फ़र; डॉ. नतालिया ज़ड़ोंस्काया, प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय संचार और एएनओ के अंतर्राष्ट्रीय परिवहन गलियारों के रसद क्षेत्र, अंतर्राष्ट्रीय परिवहन गलियारों के निदेशालय; और प्रोफेसर सुबा चंद्रन- डीन, एनआईएएस शामिल थे। वक्ताओं ने यूरेशिया में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार की आशाजनक संभावनाओं पर प्रकाश डाला। ध्रुवीय शिपिंग में आर्थिक और ढांचागत सहयोग को बढ़ावा देने, चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे को मजबूत करने, अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण गलियारे, चाबहार में परिवहन निवेश आदि द्वारा आर्कटिक में सहयोग की गुंजाइश पर प्रकाश डाला गया। दोनों पक्षों ने मध्य एशिया में कनेक्टिविटी बढ़ाने और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

समापन टिप्पणी राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और डॉ. इवान टिमोफीव, महानिदेशक, आरआईएसी द्वारा की गई। संवाद के बाद, राजदूत सिंह और डॉ. टिमोफीव ने नवीनीकृत आईसीडब्ल्यूए-आरआईएसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और एशियन कॉन्फ्लुएंस (एएससीओएन) के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 5 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए और एशियन कॉन्फ्लुएंस (एएससीओएन), शिलांग अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान बढ़ाने के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपना सहयोग जारी रखने पर सहमत हुए हैं। आईसीडब्ल्यूए और एशियन कॉन्फ्लुएंस (एएससीओएन) के बीच 5 फरवरी 2024 को समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण किया गया जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा।

आईसीडब्ल्यूए - एनईओएसईसी, रूस 'आर्कटिक में भारत-रूस सहयोग' पर बंद कमरे में चर्चा, 9 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए रिसर्च फैकल्टी ने 9 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में 'आर्कटिक में भारत-रूस सहयोग' पर नॉर्थ यूरोपियन ओपन साइंस एंड एजुकेशन कंसोर्टियम (एनईओएसईसी), रूस के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आर्कटिक सेंटर, करेलिया, रूस के निदेशक डॉ. एंटोन कोवशोव ने किया। दोनों पक्षों ने रणनीतिक और पर्यावरण अध्ययन के लिए आर्कटिक के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। दोनों पक्षों ने अकादमिक सहयोग का भी पता लगाया।

आसियान के महासचिव महामहिम डॉ. काओ किम होर्न द्वारा 'उभरते क्षेत्रीय ढांचे में भारत - आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी' पर 48वाँ सप्रू हाउस व्याख्यान, 12 फरवरी 2024

भारत की एक्ट ईस्ट नीति के एक दशक का जश्न मनाने के लिए, आईसीडब्ल्यूए ने 12 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में आसियान के महासचिव महामहिम डॉ. काओ किम होर्न द्वारा 'उभरते क्षेत्रीय ढांचे में भारत - आसियान व्यापक रणनीतिक साझेदारी' पर 48वें व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए की महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि महामहिम डॉ. काओ किम होर्न की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जबकि 2014 में पीएम मोदी द्वारा भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी की घोषणा के बाद यह पहला

दशक है। पिछले दशक में भारत की एक्ट ईस्ट नीति के संबंध में दो मील के पत्थर देखे गए - पहला, 2018 में, सभी दस आसियान देशों के नेता भारत में गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे; दूसरे, नवंबर 2022 में, भारत और आसियान ने व्यापक रणनीतिक साझेदार (सीएसपी) पर हस्ताक्षर किए। एसजी, आसियान ने इस बात पर जोर दिया कि आसियान हमेशा संवाद और परामर्श की संस्कृति और बाहरी जुड़ाव की रणनीति पर केंद्रित रहा है। परिणामस्वरूप, आसियान में वर्तमान में 11 संवाद भागीदार देश, 7 क्षेत्रीय संवाद भागीदार और 5 विकास भागीदार हैं। बढ़ती भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक प्रतिस्पर्धा आसियान के लिए चिंता का विषय है और इसे ध्यान में रखते हुए, 2019 में आसियान 'इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक' लेकर आया और चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की: i) समुद्री सहयोग ii) सतत विकास लक्ष्य iii) कनेक्टिविटी और iv) अर्थव्यवस्था। डॉ. होर्न ने कहा कि भारत के साथ संबंध, जिसके साथ आसियान पड़ोसी के रूप में भूमि और समुद्री सीमाएँ साझा करता है, 'विश्वास' पर आधारित हैं जो प्रमुख स्तंभ है जिसके परिणामस्वरूप पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग गहरा होगा। उन्होंने कहा कि आसियान भारत के साथ ग्रीन, ब्लू, सर्कुलर और डिजिटल इकोनॉमी जैसे नए क्षेत्रों पर काम करने के लिए उत्सुक है - जो इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के प्रति साझा दृष्टिकोण के अनुरूप है।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 12 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए और गुजरात विश्वविद्यालय, नवरंगपुरा, अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 19 जनवरी 2024 को गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद के बीच समझौता ज्ञापन की घोषणा की। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। समझौता ज्ञापन पर 7 फरवरी 2024 को हस्ताक्षर किए गए।

राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप (आईआईडीएल), महाराष्ट्र के छात्रों के बीच बातचीत, 14 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने 14 फरवरी 2024 को रामभाऊ म्हालगी प्रबोधिनी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेटिक लीडरशिप, ठाणे, महाराष्ट्र के नेतृत्व, राजनीति और शासन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के छात्रों के साथ, उनके राष्ट्रीय राजधानी अध्ययन यात्रा 2024 के भाग के रूप में सप्रू हाउस में 'भारतीय विदेश नीति और अंतर्राष्ट्रीय मामलों' पर बातचीत की। छात्रों को आईसीडब्ल्यूए की गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

नेपाल में अमेरिकी राजदूत महामहिम श्री डीन थॉम्पसन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 14 फरवरी 2024

नेपाल में अमेरिकी राजदूत महामहिम श्री डीन थॉम्पसन ने 14 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

"उत्तर पूर्व एशिया के जटिल और विकसित परिदृश्य को समझना: क्षेत्रीय स्थिरता की खोज" पर पैनल चर्चा, 16 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 16 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में "पूर्वोत्तर एशिया के जटिल और विकसित परिदृश्य को समझना: क्षेत्रीय स्थिरता की खोज" विषय पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। इसकी अध्यक्षता कोरिया गणराज्य और उज़्बेकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत राजदूत स्कंद आर. तायल ने की। डॉ. संदीप कुमार मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, सेंटर फॉर ईस्ट एशियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली; प्रोफेसर चिंतामणि महापात्रा, कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडो-पैसिफिक स्टडीज के संस्थापक और मानद अध्यक्ष; और डॉ. नम्रता हसीजा, रिसर्च फेलो सेंटर फॉर चाइना एनालिसिस एंड स्ट्रैटेजी चर्चाकर्ता थीं।

पूर्वोत्तर एशिया क्षेत्र, जिसमें चीन, उत्तर कोरिया, दक्षिण कोरिया, जापान, मंगोलिया और ताइवान शामिल हैं, एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक परिदृश्य है जो ऐतिहासिक तनाव, आर्थिक परस्पर निर्भरता, क्षेत्रीय विवादों और बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा से चिह्नित है। इस पैनल चर्चा में क्षेत्र को आकार देने वाले प्रमुख घटनाक्रमों, उभरते गठबंधनों और प्रतिक्रियाओं के साथ-साथ इन रणनीतिक बदलावों को चलाने वाले अंतर्निहित हितों पर चर्चा की गई। मुख्य फोकस में से एक संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया के बीच विकसित हो रहे त्रिपक्षीय सुरक्षा सहयोग पर था, जिसमें क्षेत्रीय स्थिरता के लिए इसके निहितार्थ का विश्लेषण किया गया था। इसके विपरीत, पैनल ने एक जवाबी गठबंधन के रूप में रूस, चीन और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते रणनीतिक और सामरिक सहयोग का पता लगाया, क्षेत्रीय सुरक्षा वास्तुकला पर इसके संभावित प्रभाव की जाँच की। इसके अतिरिक्त, चर्चा में चीन-जापान-दक्षिण कोरिया त्रिपक्षीय वार्ता को पुनर्जीवित करने के प्रयासों का विश्लेषण किया गया और क्षेत्रीय गतिशीलता में बदलाव के मद्देनजर इसके भविष्य के प्रक्षेप पथ का आकलन किया गया। उत्तर कोरिया की जारी बैलिस्टिक मिसाइल उकसावों के खतरे, परमाणु प्रसार गतिविधियों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति पर चर्चा की गई। जनवरी 2024 में ताइवान के आम चुनावों के नतीजे के आधार पर, पैनल ने व्यापक क्षेत्रीय गतिशीलता के निहितार्थ की भी जांच की।

हंगेरियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, बुडापेस्ट, हंगरी के अध्यक्ष डॉ. ग्लैडेन पापिन ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की, 19 फरवरी 2024

हंगेरियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स, बुडापेस्ट, हंगरी के अध्यक्ष डॉ. ग्लैडेन पापिन ने आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 19 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। हंगेरियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स आईसीडब्ल्यूए का एमओयू पार्टनर है।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 19 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए और 1924 में स्थापित और दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक कॉलेज और इसका सबसे पुराना महिला कॉलेज, इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन, दिल्ली, अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति में सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 7 फरवरी 2024 को इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वीमेन के बीच एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। समझौता ज्ञापन पर 19 फरवरी 2024 को हस्ताक्षर किए गए।

महामहिम राजदूत कैरेट सरयबे, महासचिव के साथ बातचीत, एशिया में बातचीत एवं विश्वास निर्माण उपायों पर सम्मेलन (सीआईसीए), 20 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए ने महामहिम राजदूत कैरात सरयबे, महासचिव के साथ बातचीत की। 20 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में 'एशिया में बातचीत और विश्वास निर्माण उपाय (सीआईसीए)' पर सम्मेलन। उनके साथ रूसी संघ द्वारा सीआईसीए सचिवालय में राजदूत श्री अरकडी कोशचीव और भारत में कजाकिस्तान के दूतावास के प्रतिनिधि भी थे। बातचीत की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। सीआईसीए थिंक टैंक फोरम में भागीदारी के लिए आईसीडब्ल्यूए भारत में नोडल थिंक टैंक है। बैठक के दौरान, राजदूत कैरेट सरयबे ने सीआईसीए में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया और सीआईसीए थिंक टैंक फोरम में आईसीडब्ल्यूए की भूमिका की सराहना की। उन क्षेत्रों पर चर्चा हुई जिन पर सीआईसीए थिंक टैंक फोरम ध्यान केंद्रित कर सकता है जैसे लैंगिक समानता, टिकाऊ कनेक्टिविटी और ऊर्जा सुरक्षा।

महामहिम श्रीमती इरीना बोरोवेट्स, यूक्रेन की उप विदेश मंत्री के साथ बातचीत
21 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए रिसर्च फैकल्टी ने 21 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में यूक्रेन की उप विदेश मंत्री महामहिम श्रीमती इरीना बोरोवेट्स के साथ बातचीत की। डीएफएम बोरोवेट्स ने यूक्रेन-रूस संघर्ष पर एक भाषण दिया और यूक्रेन शांति योजना, नाटो और यूरोपीय संघ में शामिल होने के लिए यूक्रेन की संभावनाओं, अमेरिका के साथ यूक्रेन के संबंधों आदि पर अपने विचार प्रस्तुत किए। बातचीत के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ। डीएफएम बोरोवेट्स के साथ भारत में यूक्रेन के राजदूत महामहिम डॉ. ऑलेक्ज़ेंडर पोलिशचुक भी थे। बातचीत की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की।

डॉ. सैयद इमामियन, सह-संस्थापक और वरिष्ठ सलाहकार, शासन और नीति थिंक टैंक, ईरान ने राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की,
21 फरवरी 2024

डॉ. सैयद इमामियन, सह-संस्थापक और वरिष्ठ सलाहकार, शासन और नीति थिंक टैंक, ईरान ने आपसी हित और अकादमिक सहयोग के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करने के लिए 21 फरवरी 2024 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की।

साहेल के लिए यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि प्रोफेसर इमानुएला क्लाउडिया डेल रे के साथ बातचीत, 22 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए रिसर्च फैकल्टी ने 22 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में साहेल के लिए यूरोपीय संघ के विशेष प्रतिनिधि (ईयूएसआर) प्रोफेसर इमानुएला क्लाउडिया डेल रे के साथ बातचीत की। ईयूएसआर ने साहेल क्षेत्र की स्थिति और ईयू के दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया। बातचीत के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ। बातचीत की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की।

पोलैंड के विदेश मंत्रालय में राज्य सचिव श्री डब्ल्यू.टी. बार्टोस्ज़ेव्स्की के साथ बैठक, 23 फरवरी 2024

पोलैंड के विदेश मंत्रालय के राज्य सचिव श्री डब्ल्यू.टी. बार्टोसजेव्स्की ने 23 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक और रक्षा क्षेत्रों में भारत-पोलैंड द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। राज्य सचिव बार्टोसजेव्स्की और महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व की स्थिति और भारत-प्रशांत सहित आपसी हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

डॉ. फरीद शफ़ीयेव, राजदूत अंतर्राष्ट्रीय संबंध विश्लेषण केंद्र (एआईआर केंद्र) अज़रबैजान के अध्यक्ष के साथ बैठक, 23 फरवरी 2024

सेंटर ऑफ एनालिसिस ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस (एआईआर सेंटर) के अध्यक्ष, राजदूत डॉ. फरीद शफीयेव ने 23 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने आईसीडब्ल्यूए और एआईआर के बीच संस्थागत सहयोग की संभावनाएं तलाशीं और काकेशस की स्थिति और क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा के रास्ते सहित आपसी हितों के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के महत्व की पुष्टि की और व्यापार, ऊर्जा और कनेक्टिविटी क्षेत्रों में संबंधों की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। राजदूत शफ़ीयेव के साथ भारत में अज़रबैजान के राजदूत महामहिम एल्विन हुसेनली भी थे।

नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, यूएसए के इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईएनएसएस) के प्रतिष्ठित रिसर्च फेलो डॉ. थॉमस एफ. लिंच III ने 2024 को राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात, 23 फरवरी 2024

नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी, यूएसए के इंस्टीट्यूट ऑफ नेशनल स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईएनएसएस) के प्रतिष्ठित रिसर्च फेलो डॉ. थॉमस एफ. लिंच III ने 23 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए से मुलाकात की। आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

महामहिम श्री सिहासक फुआंगकेटकेओ, विदेश मामलों के उप मंत्री, थाईलैंड, द्वारा "थाईलैंड और भारत रणनीतिक भागीदार कैसे हो सकते हैं?" पर विशेष व्याख्यान, 26 फरवरी 2024

थाईलैंड के विदेश मामलों के उप मंत्री श्री सिहासाक फुआंगकेटकेव ने 26 फरवरी 2024 को 'थाईलैंड और भारत रणनीतिक भागीदार कैसे हो सकते हैं?' विषय पर आईसीडब्ल्यूए में एक विशेष व्याख्यान दिया। वह थाईलैंड के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री पर्नप्री बाहिधा-नुकारा के दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भारत में थे। विशेष व्याख्यान के दौरान उन्होंने कहा कि आज दुनिया में परिवर्तनकारी परिवर्तन हो रहे हैं और शक्ति संतुलन पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रहा है। इंडो-पैसिफिक में दो गहन विकास देखे जा रहे हैं: चीन का उदय और भारत का उदय। इंडो-पैसिफिक आर्थिक महत्व और सामरिक महत्व की

दिशा में आगे बढ़ रहा है। नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा हिंद-प्रशांत में महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। भारत और थाईलैंड इंडो-पैसिफिक के बारे में एक साझा दृष्टिकोण साझा करते हैं। वे दोनों स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए खड़े हैं। भारत और थाईलैंड दोनों इंडो-पैसिफिक के एक ही रणनीतिक क्षेत्र से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत-थाईलैंड द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया जाए और आर्थिक साझेदारी, कनेक्टिविटी और समुद्री सहयोग भारत-थाईलैंड के विस्तारित संबंधों के प्रमुख स्तंभ हैं। विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की।

"सहेलियन राजनीति चौराहे पर: शासन और सुरक्षा चुनौतियाँ आगे" पर पैनल चर्चा, 29 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 29 फरवरी 2024 को सप्रू हाउस में " सहेलियन राजनीति चौराहे पर: शासन और सुरक्षा चुनौतियाँ आगे" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। इसकी अध्यक्षता आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने की। डॉ. शाजी सदाशिवन, सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय; डॉ. मौसमी बसु, एसोसिएट प्रोफेसर, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और डॉ. निवेदिता रे, निदेशक (अनुसंधान), आईसीडब्ल्यूए पैनलिस्ट थे। साहेल क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और क्षेत्र की शांति, सुरक्षा, स्थिरता और समृद्धि पर उनके प्रभाव पर चर्चा हुई। अपनी टिप्पणी में, राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए ने इस बात पर प्रकाश डाला कि तीन भूमि से घिरे देश - माली, बुर्किना फासो और नाइजर सभी सोने और यूरेनियम सहित प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं। उन्होंने सैन्य तख्तापलट देखा है और अब यह तिकड़ी साहेल में एक कहानी चला रही है। सबसे पहले, उन्होंने साहेल राज्यों के संघ का गठन किया है और दूसरे, उन्होंने अपनी ईसीओडब्ल्यूएएस सदस्यता वापस ले ली है। हैदराबाद विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. एस. शाजी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे क्षेत्र में संघर्ष ने प्रवासन को गति दी है और पिछले कुछ वर्षों में साहेल में लगभग 5.5 मिलियन लोग विस्थापित हुए हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मौसमी बसु ने कहा कि, हालांकि साहेल में कई अंतरराष्ट्रीय संगठन जैसे कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन, अफ्रीकी संघ साहेल रणनीति, यूरोपीय संघ की साहेल सुरक्षा इकाई और जी5 साहेल, काम कर रहे थे, क्षेत्र के लोगों की जरूरतों और आवश्यकताओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। आईसीडब्ल्यूए की अनुसंधान निदेशक डॉ. निवेदिता रे ने तीन देशों के ईसीओडब्ल्यूएएस से बाहर निकलने के साथ-साथ क्षेत्र में आतंकवादी संगठनों के प्रसार के प्रभावों पर जोर दिया।

'दक्षिण काकेशस में बदलती गतिशीलता और उसके प्रभाव' पर पैनल चर्चा, 1 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 1 मार्च 2024 को सप्रू हाउस में "दक्षिण काकेशस में बदलती गतिशीलता और इसके प्रभाव" पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। चर्चा में, आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक, राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने स्वागत भाषण दिया। इसकी अध्यक्षता आर्मेनिया में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत अचल मल्होत्रा ने की। प्रोफेसर अजय पटनायक, पूर्व डीन, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय; प्रोफेसर संजय के पांडे, रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, जेएनयू, नई दिल्ली; प्रो. अखलाक अहमद, अध्यक्ष, फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र एसएलएल एंड सीएस, जेएनयू, नई दिल्ली पैनलिस्ट थे। पैनलिस्टों ने दक्षिण काकेशस के लंबे और जटिल इतिहास के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि दक्षिण काकेशस में एक भूराजनीतिक बदलाव हो रहा है। यूक्रेन में संघर्ष और अर्मेनिया और अज़रबैजान के बीच नागोर्नो-काराबाख विवाद के हालिया समाधान के परिणामस्वरूप यह क्षेत्र एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। क्षेत्र में तीन देशों के बाहरी संरेखण में बदलती गतिशीलता के साथ-साथ अंतर-क्षेत्रीय बातचीत और जुड़ाव पर भी चर्चा हुई। पैनलिस्टों ने निष्कर्ष निकाला कि क्षेत्रीय देश वर्तमान में यूक्रेन में विकास और दक्षिण काकेशस क्षेत्र और उनके तत्काल पड़ोस के साथ उनके संबंधों के संभावित प्रभावों के लिए रूस-पश्चिम संबंधों की गतिशीलता पर बारीकी से नजर रख रहे थे।

आईओआरए दिवस के अवसर पर, 'हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा: एक सहकारी, समृद्ध, सतत और शांतिपूर्ण क्षेत्र की ओर' पर पैनल चर्चा, 7 मार्च 2024

आईओआरए (इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन) दिवस के अवसर पर,आईसीडब्ल्यूए ने 7 मार्च 2024 को सप्रू हाउस में "हिंद महासागर क्षेत्र की सुरक्षा: एक सहकारी, समृद्ध, सतत और शांतिपूर्ण क्षेत्र की ओर" विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की। स्वागत भाषण आईसीडब्ल्यूए के महानिदेशक राजदूत विजय ठाकुर सिंह ने दिया। सुश्री परमिता त्रिपाठी, संयुक्त सचिव (आईपी), विदेश मंत्रालय, भारत ने विशेष टिप्पणी दी। पैनल चर्चा की अध्यक्षता दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और डीन प्रो. संजय चतुर्वेदी ने की। वाइस एडमिरल अनिल चोपड़ा, पीवीएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) प्रतिष्ठित फेलो, दिल्ली पॉलिसी ग्रुप और कैप्टन सरबजीत सिंह परमार, प्रतिष्ठित फेलो, यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया पैनलिस्ट थे। चर्चा में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि भारत आईओआरए के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है और इस क्षेत्र में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभरेगा। आईओआर में तटीय राज्यों के साथ भारत का जुड़ाव गहरा है। समुद्री सुरक्षा और सुरक्षा सर्वोपरि है और एक विकास भागीदार और प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में भारत की भूमिका की दुनिया भर में सराहना की गई है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हिंद महासागर क्षेत्र की समृद्धि और भलाई सुरक्षा के साथ, और अधिक महत्वपूर्ण रूप से, हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। हिंद महासागर व्यापार का समर्थन और आजीविका बनाए रखकर क्षेत्र के विकास और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वक्ताओं ने क्षेत्र के प्रमुख चोकपॉइंट्स यानी होर्मुज जलडमरूमध्य, मलक्का जलडमरूमध्य और बाब अल मंडेब के बारे में बात की और समुद्री डकैती, आतंकवाद और भू-राजनीतिक तनाव के कारण लाल सागर में हाल के व्यवधानों पर प्रकाश डाला। पैनलिस्टों ने इस बात पर भी जोर दिया कि हिंद महासागर क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए सामूहिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है और इस प्रयास में आईओआरए ने सराहनीय कार्य किया । आईओआरए की जिम्मेदारी और क्षमता है कि वह हिंद महासागर क्षेत्र को सहयोग, सतत विकास, शांति और समृद्धि द्वारा चिह्नित स्थान बनाने के अपने साझा दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए देशों को एक साथ लाए।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 7 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए और हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 15 फरवरी 2024 को हिंदू कॉलेज का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और हिंदू कॉलेज के बीच समझौता ज्ञापन की घोषणा की। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। आईसीडब्ल्यूए और हिंदू कॉलेज के बीच 7 मार्च 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एमएनएलयू), नागपुर के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 7 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए और महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (एमएनएलयू) नागपुर अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। आईसीडब्ल्यूए और एमएनएलयू, नागपुर के बीच 1 मार्च 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो तीन साल की अवधि के लिए वैध होगा।

राजदूत भास्वती मुखर्जी द्वारा 'द इंडेंचर्ड एंड देयर रूट' पर पुस्तक चर्चा, 12 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए ने 7 मार्च 2024 को सप्रू हाउस में यूनेस्को में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि और नीदरलैंड में भारत के पूर्व राजदूत, राजदूत भास्वती मुखर्जी द्वारा 'द इंडेंचर्ड एंड देयर रूट' विषय पर एक पुस्तक चर्चा आयोजित की। स्वागत भाषण अध्यक्ष राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए द्वारा दिया गया। राजदूत अमिताव त्रिपाठी, स्विट्जरलैंड और ब्राजील में भारत के पूर्व राजदूत; बांग्लादेश और मलेशिया में पूर्व भारतीय उच्चायुक्त राजदूत वीना सीकरी और कोरिया गणराज्य और उज़्बेकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत राजदूत स्कंद तायल चर्चाकर्ता थे। चर्चा भारत से अनुबंधित मजदूरों के प्रवास पर केंद्रित थी, जो 1833 में अंग्रेजों द्वारा गुलामी के उन्मूलन के बाद शुरू हुआ था, यह अंग्रेजों के एक प्रयोग के रूप में शुरू हुआ था, जिन्होंने लोगों से 'गिरमिट्स' नामक अनुबंध पर हस्ताक्षर कराए और उन्हें मजदूरी, भोजन आदि की झूठी उम्मीदें दीं। इन मजदूरों को अमानवीय परिस्थितियों में जहाज से गंभीर परिस्थितियों में वृक्षारोपण पर काम करने के लिए अफ्रीका, एशिया और कैरेबियाई देशों में भेजा गया था। गिरमिट की व्यवस्था को

1917 में समाप्त कर दिया गया था। चर्चा में गिरमिटिया लोगों की घर लौटने की लालसा और उनके परीक्षणों और कष्टों की कहानी सामने आई, जिसमें महिला मजदूरों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया और कहा गया कि पुस्तक ऐतिहासिक कथा में स्मृति के महत्व को गंभीर रूप से रेखांकित करती है। सूरीनाम, गुयाना आदि देशों में भोजपुरी भाषा और अन्य सांस्कृतिक प्रथाओं की उपस्थिति गिरमिटिया श्रमिकों पर भारतीय विरासत के निरंतर प्रभाव को दर्शाती है और इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए स्तंभ के रूप में काम करती है।

द्वितीय इंडिया-आरओके 2+2 संवाद (आईसीडब्ल्यूए-आरआईएस एंड के एनडीए-केआईईपी), 19-20 मार्च 2024

केएनडीए-आईसीडब्ल्यूए द्विपक्षीय वार्ता का 5वां संस्करण 19 मार्च 2024 को कोरिया नेशनल डिप्लोमैटिक अकादमी (केएनडीए), सियोल, दक्षिण कोरिया में केएनडीए द्वारा आयोजित किया गया था। थीम थी "आरओके-इंडो-पैसिफिक में भारत का रणनीतिक भरोसा"। द्विपक्षीय वार्ता में दो सत्र आयोजित किये गये। पहला सत्र "इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय रणनीतिक वास्तुकला पर परिप्रेक्ष्य" था। दूसरा सत्र "कोरिया और भारत के बीच रणनीतिक विश्वास में सुधार के तरीके" पर था। दूसरा आरओके-इंडिया (केएनडीए-केआईईपी और आईसीडब्ल्यूए-आरआईएस) 2+2 नीति संवाद 20 मार्च 2024 को केएनडीए हॉल, 12वीं मंजिल, डिप्लोमैटिक सेंटर, सियोल, दक्षिण कोरिया में आयोजित किया गया था, यह केएनडीए और केआईईपी द्वारा आयोजित किया गया था। विषय था "आरओके और भारत: इंडो-पैसिफिक में रणनीतिक विश्वास के भागीदार"। नीति संवाद में तीन सत्र आयोजित किये गये। पहला सत्र "इंडो-पैसिफिक में क्षेत्रीय रणनीतिक वास्तुकला पर परिप्रेक्ष्य" पर था। दूसरा सत्र "हिन्द-प्रशांत में आरओके-भारत के रणनीतिक और सुरक्षा विश्वास को मजबूत करने के तरीके" पर था। तीसरा सत्र "द राइज़ ऑफ़ द ग्लोबल साउथ एंड आरओके-इंडिया डेवलपमेंट पार्टनरशिप" पर था। चर्चा के दौरान, पैनलिस्टों ने इंडो-पैसिफिक के भीतर चल रहे भू-राजनीतिक रुझानों की मुख्य विशेषताओं, इस क्षेत्र में उभरती रणनीतिक गतिशीलता के प्रमुख कारकों और परिणामी परिणामों पर चर्चा की। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और इसके प्रभावों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने भारत-आरओके विशेष रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख प्राथमिकताओं पर चर्चा की। चर्चा इस बात पर भी केंद्रित रही कि कैसे दक्षिण कोरिया और भारत, दो देश जिनके पास विकास में प्रभावशाली अनुभव है, के पास त्रिकोणीय और बहुपक्षीय विकास सहयोग तंत्र के माध्यम से वैश्विक दक्षिण को देने के लिए बहुत कुछ है। दोनों पक्षों ने विश्व मंच पर कोरिया गणराज्य-भारत विकास साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों और भारत की विकास यात्रा में योगदान देने के कोरिया गणराज्य के प्रयासों पर चर्चा की।

भारतीय वैश्विक परिषद (आईसीडब्ल्यूए) और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) के बीच समझौता ज्ञापन संपन्न हुआ, 27 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा, अंतर्राष्ट्रीय मामलों और भारतीय विदेश नीति पर जागरूकता और ज्ञान के विस्तार के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने 24 दिसंबर 2023 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय का दौरा किया और आईसीडब्ल्यूए और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन की घोषणा की। माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ आईसीडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। आईसीडब्ल्यूए और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के बीच 27 मार्च 2024 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

आउटरीच कार्यक्रम

इग्नू और सीएसआईआर द्वारा "जी20 प्रेसीडेंसी और भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 10-11 जनवरी 2024

इग्नू और सीएसआईआर ने 10-11 जनवरी 2024 को "जी20 प्रेसीडेंसी और भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका" पर आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी की मेजबानी की। श्री अमिताभ कांत ने मुख्य भाषण दिया। डॉ. संजीव कुमार, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने सुधारित बहुपक्षवाद और जी20 पर एक पेपर प्रस्तुत किया। आईसीडब्ल्यूए ने अपने विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के तहत सेमिनार में सहयोग किया।

सेंटर फॉर इंटरनेशनल रिलेशंस एंड गवर्नेंस, महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा "भारत के परमाणु सिद्धांत" और "क्या जी20 प्रेसीडेंसी भारत को वैश्विक नेता बनने में मदद करता है" पर दो दिवसीय विदेश नीति जागरूकता कार्यक्रम, 12-13 जनवरी 2024

सेंटर ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड गवर्नेंस, महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, नागपुर, महाराष्ट्र ने आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से 12-13 जनवरी 2024 को "विदेश नीति जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया। श्री हितेश राजपाल, निदेशक, आईसीडब्ल्यूए और प्रोफेसर चिंतामणि महापात्र ने मुख्य भाषण दिया। स्वागत भाषण प्रोफेसर (डॉ.) विजेंद्र कुमार, वीसी, एमएनएलयू, नागपुर द्वारा दिया गया। एमएनएलयू, नागपुर के छात्रों ने वाद-विवाद, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

प्रथम आरजीएनयूएल युवा विद्वान सम्मेलन, राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब, 17 फरवरी 2024

भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से, राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब ने 17 फरवरी 2024 को "पश्चिम एशिया और अफ्रीका के प्रति भारत की विदेश नीति में उभरते रुझान" विषय पर अपना पहला युवा विद्वान सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन में, कुल 40 विद्वानों ने गोलमेज प्रारूप में 7 समानांतर तकनीकी सत्रों में 29 पेपर प्रस्तुत किए। सम्मेलन की कार्यवाही का मार्गदर्शन 8 विदेश नीति विशेषज्ञों द्वारा किया गया।

"भारत की पड़ोसी प्रथम नीति: उपलब्धियां और चुनौतियां" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, धर्म समाज कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, 17-18 फरवरी 2024

रक्षा और सामरिक अध्ययन विभाग, धर्म समाज कॉलेज, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा 17-18 फरवरी 2024 को भारतीय विश्व मामलों की परिषद के सहयोग से "भारत की पड़ोसी प्रथम नीति: उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। सेमिनार की अध्यक्षता डी.एस. कॉलेज की सोसायटी एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री विजय अग्रवाल ने की। उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और असम के विद्वानों ने 20 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए। सेमिनार में आईसीडब्ल्यूए के सीनियर रिसर्च फेलो डॉ. अतहर जफर ने भी हिस्सा लिया।

"भारत की विदेश नीति की बदलती गतिशीलता: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता" विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कनोरिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, 19-21 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, कनोरिया पीजी महिला महाविद्यालय, गांधी सर्कल, जयपुर, राजस्थान ने 19-21 फरवरी 2024 को "भारत की विदेश नीति की बदलती गतिशीलता: चुनौतियाँ और आगे का रास्ता" विषय पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया। आईसीडब्ल्यूए से निदेशक (अनुसंधान) डॉ. निवेदिता रे ने भाग लिया। यह सम्मेलन आईसीडब्ल्यूए के आउटरीच कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "विदेश नीति में विज्ञान का बढ़ता महत्व", गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 20-21 फरवरी 2024

भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से, रसायन विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, कोनी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ने 20-21 फरवरी 2024 को "विदेश नीति में #विज्ञान और #प्रौद्योगिकी के बढ़ते महत्व" विषय पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. स्तुति बनर्जी, सीनियर रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया।

"ब्रिक्स एक वैश्विक विकल्प के रूप में - भारत के लिए संभावनाएं और चिंता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, नेताजी इंस्टीट्यूट फॉर एशियन स्टडीज, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 22-23 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, नेताजी इंस्टीट्यूट फॉर एशियन स्टडीज (एनआईएएस), कोलकाता, पश्चिम बंगाल ने 22-23 फरवरी 2024 को "ब्रिक्स एक वैश्विक विकल्प के रूप में - भारत के लिए संभावनाएं और चिंता" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। आईसीडब्ल्यूए की रिसर्च फेलो डॉ. लक्ष्मी प्रिया ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया।

"हिन्द-प्रशांत में सुरक्षा पर्यावरण और विकास: भारत के लिए चुनौतियाँ और अवसर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा 23-24 फरवरी 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, राजनीति विज्ञान विभाग, रेवेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, ओडिशा ने 23-24 फरवरी 2024 को "हिन्द-प्रशांत में सुरक्षा पर्यावरण और विकास: भारत के लिए चुनौतियां और अवसर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. प्रज्ञा पांडे, रिसर्च फेलो, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया।

"भारत और वैश्विक दक्षिण: मुद्दे, जुड़ाव और चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय सम्मेलन, सोमैया विद्याविहार कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र, 11 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, एसके सोमैया कॉलेज, सोमैया विद्याविहार कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र ने 11 मार्च 2024 को भारत और वैश्विक दक्षिण: मुद्दे, जुड़ाव और चुनौतियां पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। सम्मेलन के प्रतिभागियों ने ग्लोबल साउथ के साथ भारत के संबंधों, विकास साझेदारी और सहयोग के नए और उभरते क्षेत्रों से संबंधित व्यापक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। डॉ. स्तुति बनर्जी, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया। यह सम्मेलन परिषद के विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

"नई चुनौतियो के परिप्रेक्ष्य में भारत-चीन सम्बन्ध", पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। डीएवी (पीजी) कॉलेज, कानपुर, यूपी, 16-17 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, डीएवी (पीजी) कॉलेज, कानपुर, यूपी ने 16-17 मार्च 2024 को "नई चुनौतियो के परिप्रेक्ष्य में भारत-चीनी संबध" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सेमिनार के प्रतिभागियों ने नई और उभरती परिस्थितियों में चीन के साथ भारत के संबंधों से संबंधित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। मेजर जनरल पृथ्वी सिंह (सेवानिवृत्त) ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी टिप्पणी दी और राजदूत दीपक वोहरा समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोले । डॉ. संजीव कुमार, एसआरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया और विषय पर बात की। सेमिनार परिषद के विश्वविद्यालय आउटरीच कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया था।

"भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों पर विशेष ध्यान देने के साथ छठा बोधगया वैश्विक संवाद 2024: उनके राजनयिक संबंधों के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बौद्ध धर्म कनेक्ट की खोज और निर्माण" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नालन्दा विश्वविद्यालय, नालन्दा, बिहार, 16- 17 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, देशकाल सोसाइटी-नालंदा विश्वविद्यालय ने 16-17 मार्च 2024 को बिहार के नालंदा में "लैंडस्केप एनलाइटनमेंट: बोधगया, राजगीर, नालंदा" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, देशकाल सोसाइटी-नालंदा विश्वविद्यालय ने 16-17 मार्च 2024 को बिहार के नालंदा में "लैंडस्केप एनलाइटनमेंट: बोधगया, राजगीर, नालंदा" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। सेमिनार में डॉ. लक्ष्मी प्रिया, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने "बौद्ध धर्म और बोधगया के माध्यम से भारत और दक्षिण कोरिया के बीच संबंधों को मजबूत करना" विषय पर सत्र में बात की। सेमिनार का आयोजन आईसीडब्ल्यूए के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत किया गया था।

"भारतीय विदेश नीति: हिंद-प्रशांत क्षेत्र" पर हिंदी में राष्ट्रीय सम्मेलन, दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोरखपुर, यूपी, 18-19 मार्च 2024

आईसीडब्ल्यूए के सहयोग से, दिग्विजय नाथ पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, गोरखपुर, यूपी ने 18-19 मार्च 2024 को "भारतीय विदेश नीति: हिंद-प्रशांत क्षेत्र" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। डॉ. पुनित गौड़, आरएफ, आईसीडब्ल्यूए ने परिषद का प्रतिनिधित्व किया। सेमिनार का आयोजन आईसीडब्ल्यूए के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत किया गया था।

आईसीडब्ल्यूए में शोध-प्रशिक्षु

अनुष्का
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

मोहम्मद शाकिब अली
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

अलीना टी साबू
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

ऋषिता वर्मा
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

नंदिनी खंडेलवाल
पांडिचेरी विश्वविद्यालय

नित्यकल्याणि नारायणं. वी
एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश

भारतीय वैश्विक परिषद प्रकाशन

मुद्दा संक्षिप्त

1. श्यामकुमार वी, दक्षिण सूडान में संघर्ष की स्थिति और मानवीय और मानवाधिकार स्थिति में संबंधित चुनौतियाँ (08 जनवरी 2024)
2. डॉ. स्तुति बनर्जी, संयुक्त राज्य अमेरिका और अफ्रीका: अंतर को पाटना (15 जनवरी 2024)
3. डॉ. अतहर ज़फ़र, शंघाई सहयोग संगठन और भारत: एक परिप्रेक्ष्य (18 जनवरी 2024)
4. डॉ. पुनित गौड़, मध्य एशिया में पश्चिमी रुचि का नवीनीकरण (25 जनवरी 2024)
5. डॉ. पुनित गौड़, मध्य एशिया में पश्चिमी रुचि का नवीनीकरण (25 जनवरी 2024)
6. डॉ. टेशू सिंह, दक्षिण चीन सागर में चीन-फिलीपींस का बढ़ता तनाव (29 जनवरी 2024)
7. निखिल गुव्वादी, ऊर्जा संक्रमण और लिथियम रश (31 जनवरी 2024)
8. डॉ. समथा मल्लेम्पति, मालदीव विदेश नीति में बदलाव: घरेलू निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक अपील? (05 फरवरी 2024)
9. डॉ. स्तुति बनर्जी, 2024 मैक्सिकन चुनाव: यह महत्वपूर्ण क्यों है? (15 फरवरी 2024)
10. डॉ. फज्जुर रहमान सिद्दीकी, चल रहे इज़राइल-गाजा युद्ध और युद्ध के नए रंगमंच के रूप में लाल सागर का उदय (19 फरवरी 2024)
11. डॉ. पुनित गौड़, सीआईसीए: एशिया में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के लिए एक नए प्रतिमान की ओर (20 फरवरी 2024)
12. श्रेया सिंह, जलवायु प्रवासन और विस्थापन: चुनौतियाँ और प्रतिक्रियाएँ (21 फरवरी 2024)
13. अलीना टी साबू, यूरोपीय संघ और प्रवासन: आगे की चुनौतियाँ (29 फरवरी 2024)

14. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, लैटिन अमेरिका में चुनाव 2024- एक पूर्वावलोकन (29 फरवरी 2024)
15. डॉ. अन्वेषा घोष, दोहा में संयुक्त राष्ट्र का दूसरा अफगानिस्तान सम्मेलन बिना तालिबान: उद्देश्य और परिणाम (01 मार्च 2024)
16. नित्यकल्याणि नारायणं. वी, अफ्रीका में बाल सैनिकीकरण, परिवर्तनकारी न्याय और नीति अधिदेशों की गतिशीलता की खोज (04 मार्च 2024)

दृष्टिकोण

1. अनुभा गुप्ता, महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकी पर भारत-अमेरिका पहल (आईसीईटी): ऊपर की और आगे (01 जनवरी 2024)
2. डॉ. अरशद हमास-इज़राइल युद्ध और पश्चिम एशिया क्षेत्र पर इसके प्रभाव (10 जनवरी 2024)
3. डॉ. अर्नब चक्रवर्ती, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली की विदेश नीति में रुझान- विचारधारा और आर्थिक चिंताओं के बीच (23 जनवरी 2024)
4. डॉ. गौरी नारायण माथुर, पूर्वी अफ्रीकी समुदाय में सोमालिया: संभावनाएँ और चुनौतियाँ (24 जनवरी 2024)
5. डॉ. श्रीपति नारायणन, ब्रुनेई दारुस्सलाम@40 (25 जनवरी 2024)
6. डॉ. अन्वेषा घोष, तालिबान ने काबुल में 'अफगानिस्तान क्षेत्रीय सहयोग पहल' बैठक की मेजबानी की (31 जनवरी 2024)
7. डॉ. समथा मल्लेम्पति, थाईलैंड के प्रधानमंत्री की श्रीलंका यात्रा: बेहतर सहयोग की दिशा में एक कदम (13 फरवरी 2024)
8. डॉ. अरशद, गाजा युद्ध के प्रति संयुक्त राष्ट्र का दृष्टिकोण: मुद्दे और चुनौतियाँ (15 फरवरी 2024)
9. डॉ. फ़ज़्ज़ुर रहमान सिद्दीकी, इज़राइल-गाजा युद्ध के बीच इराक में क्या हो रहा है: एक संक्षिप्त अपडेट (28 फरवरी 2024)
10. मोहम्मद शाकिब अली, सऊदी अरब-ईरान शांति समझौते की संभावना: एक आकलन (28 फरवरी 2024)
11. अनुष्का, इज़राइल-हमास युद्ध को कम करने में मिस्र की भूमिका: एक आकलन (05 मार्च 2024)
12. नंदिनी खंडेलवाल, धुआं साफ़ होने के बाद: इज़राइल-हमास युद्ध के मद्देनजर नेतन्याहू का राजनीतिक संकट (05 मार्च 2024)
13. डॉ. श्रीपति नारायणन, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में तिमोर-लेस्ते का पता लगाना (06 मार्च 2024)
14. डॉ. श्रबाना बरुआ, ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन पर प्रगति में बाधा (27 मार्च 2024)

विशेष रिपोर्ट

1. अनुभा गुप्ता, गेम ऑफ ड्रोन: उनके बढ़ते उपयोग को समझना (27 मार्च 2024)
2. डॉ. स्तुति बनर्जी, 2024 घरेलू चुनाव: राष्ट्रीय विदेश नीति दृष्टिकोण और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति को आकार देना (15 फरवरी 2024)

3. डॉ. प्रज्ञा पांडे, दक्षिण प्रशांत में स्थिति: क्षेत्रीय विकास और भूराजनीतिक बदलाव (23 जनवरी 2024)
4. डॉ. टुनचिनमांग लैंगेल, पूर्वोत्तर एशिया क्षेत्र में सुरक्षा वातावरण का आकलन (19 जनवरी 2024)

आईसीडब्ल्यूए अतिथि कॉलम

1. डॉ. भास्कर बालाकृष्णन और प्रो. परमेश्वर कृष्णन अय्यर, शशि शेखर वेम्पति, 'उभरती प्रौद्योगिकियां और भारतीय कूटनीति: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, नैनो प्रौद्योगिकी' (17 जनवरी 2024)
2. डॉ. भास्कर बालकृष्णन, 'भारत के चारों ओर महासागर क्षेत्र का प्रबंधन और उच्च समुद्र संधि' (12 जनवरी 2024)
3. लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत्त), सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारत सरकार, 'जी20 और आपदा जोखिम न्यूनीकरण' (12 जनवरी 2024)
4. डॉ. संकल्प गुर्जर, 'लाल सागर और अदन की खाड़ी में संकट: रणनीतिक, आर्थिक, राजनीतिक और समुद्री आयाम' (12 जनवरी 2024)

सप्रू हाउस शोधपत्र

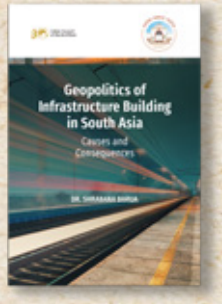

Dr. Shrabana Barua, Geopolitics of Infrastructure Building in South Asia: Causes and Consequences

Dr. Shrabana Barua,

(Indian Council of World Affairs 2024)

भारतीय वैश्विक परिषद पुस्तक

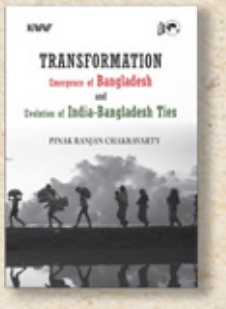

Transformation Emergence of Bangladesh and Evolution of India-Bangladesh Ties

By Pinak Ranjan Chakravarty,

(Indian Council of World Affairs 2024)

विशेष प्रकाशन

'Management of Ocean Space Around India and the High Seas Treaty'

By Dr. Bhaskar Balakrishnan

(12 January 2024)

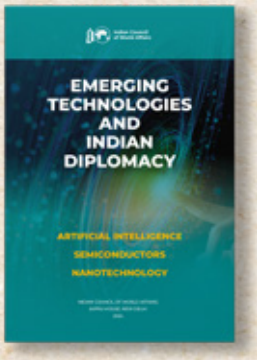

'Emerging Technologies & Indian Diplomacy: Artificial Intelligence, Semiconductors, Nanotechnology'

By Shashi Shekhar Vempati, Dr. Bhaskar Balakrishnan and Prof. Parmeshwar Krishnan Iyer

(17 January 2024)

ICWA- IOM Special Publication on Data Needs Assessment Regarding International Migration

(21 February 2024)

ICWA- IOM Special Publication on Strategic Recommendations to Improve International Migration Data Management Frameworks in India

(21 February 2024)

Special Publication on Elderly Care-Giving Sector under ICWA- IOM Project on India-Europe Labour Migration

(21 February 2024)

Special Publication on Finland under ICWA- IOM Project on India-Europe Labour Migration

(21 February 2024)

Special Publication on Poland under ICWA-IOM Project on India-Europe Labour Migration

(21 February 2024)

Special Publication on Spain under ICWA- IOM Project on India-Europe Labour Migration

(21 February 2024)

इण्डिया क्वार्टरली, ए जर्नल ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स

खंड 80, अंक 1, जनवरी 2024

संपादकीय

हम इंडिया क्वार्टरली के 80वें अंक की शुरुआत देजा वू की भावना के साथ कर रहे हैं। जनवरी 1945 में विश्व की स्थिति को देखते हुए त्रैमासिक के पहले अंक के संपादक ने 'भारत और विश्व के इतिहास में असाधारण कठिनाई का समय' कहा था, एक कठिनाई जिसे उन्होंने 'दिशा की भावना की कमी' के रूप में प्रस्तुत किया, जिसके कारण लोग नहीं जानते कि वे सुरक्षित शांति और प्रचुरता की ओर बढ़ रहे हैं, या बार-बार होने वाले युद्ध और आर्थिक असुरक्षा की ओर...' (आईक्यू नंबर 1, जनवरी 1945)। अस्सी साल बाद, हम दिशा की समझ के करीब नहीं दिख रहे हैं। पिछले साल ही दो विनाशकारी संघर्ष हुए हैं, जहाँ विश्व संस्थानों और शक्तिशाली कार्यवाहकों ने शांति बनाए रखने में इच्छाशक्ति की विलक्षण कमी प्रदर्शित की है। कट्टरपंथी विचारधाराओं और नव-राष्ट्रवाद ने पुराने बेतालों को उभारा है, और राज्यों ने तेजी से असुरक्षित और जटिल दुनिया का सामना करते हुए आर्थिक हितों और सुरक्षा को संतुलित करने की कोशिश की है। यह इस तथ्य के बावजूद है कि अस्तित्व के अधिकांश मुद्दे अब ग्लोकल के दायरे में आते हैं और समाधान के लिए युद्ध नहीं, बल्कि शांति की ओर देखते हैं। राज्य, नेता और नीति निर्माता इन मुद्दों को कैसे संबोधित करते हैं, यह इस अंक के लेखों का विषय है।

अकेले हमारे पड़ोस में, इस्लामी विचारधाराओं और विकास के बीच विरोधाभास संघर्ष पैदा करता है, और नए राष्ट्रवादी एजेंडे का उदय करता है। 2021 के बाद से, अपने दोबारा आगमन में, अफगानिस्तान में तालिबान को असाध्य प्रतीत होने वाली राजनीतिक समस्याओं के एक बिल्कुल नए सेट का सामना करना पड़ा है, जो किसी भी तर्कसंगत नीति को जोखिम में डालने का खतरा पैदा करता है। जैसा कि एक लेखक का तर्क है, किसी भी ऐसी उम्मीद के लिए, कि खनिज संसाधनों, एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति के दम पर एक सक्षम आर्थिक माहौल उभर सकता है, को राष्ट्र निर्माण, विकास और वैश्विक नेट शून्य एजेंडे के प्रति प्रतिबद्धताओं के लिए एक नए प्रकार के तालिबान की आवश्यकता होगी। हिमालय के और नीचे, 'नेपाली राष्ट्रवाद' का दावा क्षेत्र पर दावे और सीमाओं को परिभाषित करने की माँग को बढ़ाता है। हालाँकि, जैसे ही कुछ दुनियाएँ बंद हो जाती हैं, अन्य कनेक्टिविटी और समुदाय के पुराने, ऐतिहासिक रूप से अस्पष्ट अर्थों के लिए खुल जाती हैं। यहाँ, जैसा कि एक अन्य लेख में तर्क दिया गया है, बंगाल की खाड़ी क्षेत्र इंडो-पैसिफिक के वर्तमान भू-राजनीतिक संदर्भ में अपनी भौगोलिक स्थिति को प्रासंगिकता प्रदान करते हुए एक गतिशील इतिहास को पुनर्जीवित करने के लिए स्थानीय कनेक्शन पर निर्माण कर सकता है।

भले ही नीति निर्माता कई जटिल मुद्दों से जूझ रहे हों, नीतियाँ और कार्यकर्त्ता आज अधिक जाँच के लिए खुली हैं। जैसा कि लेखों के एक अन्य समूह का तर्क है, विभिन्न दृष्टिकोणों से, मीडिया के पास अब नीति निर्माण संस्थानों के साथ एक इंटरफ़ेस है जो अभूतपूर्व तरीकों से नए दबाव और फैशन नीति बना सकता है, वैश्विक मानवाधिकार शासन घरेलू सामाजिक नीतियों में असुविधाजनक तरीकों से प्रवेश करता है, राज्यों को अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों में प्रतिक्रिया देने या अपनी स्थिति का बचाव करने के लिए मजबूर करता है, पश्चदर्शन विदेश नीति के उद्देश्यों को पूरा करने में हार्ड पावर की विफलता के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, और सॉफ्ट पावर के उद्देश्यों को अक्सर उन प्रथाओं और मॉडलों द्वारा पूरा किया जा सकता है जो पारंपरिक विदेश नीति के दायरे से बाहर हैं। गौरतलब है कि जब विदेश नीति का इतिहास लिखा जाता है, तो विद्वान और शोधकर्ता अब सवाल कर रहे हैं कि अभिलेखों को कैसे व्यवस्थित किया जाता है, दस्तावेज़ क्या नौकरशाही रास्ता अपनाते हैं या क्या नहीं अपनाते हैं, और सफलता और विफलता के पक्षपातपूर्ण विचारों के आगे झुकने के बजाय निर्णयों का संदर्भ क्या है। यदि दुनिया की दिशा अस्पष्ट रहती है, तो कम से कम नीति निर्धारण का पैटर्न अस्पष्ट नहीं है।

प्रो. मधु भल्ला
संपादक, भारत त्रैमासिक

भारतीय वैश्विक परिषद के बारे में

भारतीय वैश्विक परिषद (ICWA) की स्थापना 1943 में सर तेज बहादुर सप्रू और डॉ एच.एन. कुंजरू के नेतृत्व में प्रख्यात बुद्धिजीवियों के एक समूह द्वारा की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर एक भारतीय परिप्रेक्ष्य बनाना और विदेश नीति के मुद्दों पर ज्ञान और सोच के भंडार के रूप में कार्य करना था। परिषद आज एक आंतरिक संकाय के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञों के माध्यम से नीति शोध करती है। यह सम्मेलनों, संगोष्ठियों, गोलमेज परिचर्चाओं, व्याख्यानों सहित बौद्धिक गतिविधियों की एक श्रृंखला नियमित रूप से आयोजित करती है और कई प्रकाशनों का प्रकाशन करती है। इसमें एक बहुत सी पुस्तकों से सुसज्जित पुस्तकालय, एक सक्रिय वेबसाइट है, और यह 'इंडिया क्वार्टरली' पत्रिका प्रकाशित करती है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समझ को बढ़ावा देने और आपसी सहयोग के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए आईसीडब्ल्यूए ने अंतरराष्ट्रीय थिंक टैंकों और अनुसंधान संस्थानों के साथ 50 से अधिक समझौता ज्ञापन किए हैं। परिषद की भारत में अग्रणी शोध संस्थानों, थिंक टैंकों और विश्वविद्यालयों के साथ भी साझेदारी है।

मेंटर : राजदूत विजय ठाकुर सिंह, महानिदेशक, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

संपादक : श्रीमती नूतन कपूर महावर, अपर सचिव, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

प्रबंध संपादक : डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक संपादक : डॉ. ध्रुबज्योति भट्टाचार्जी, अनुसंधान अध्येता, आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

सहायक : सुश्री अन्विति मोहिले, संयुक्त प्रबंधक, MyGov/आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, नई दिल्ली

हमसे जुड़ें

/Sapru.House @ICWA_NewDelhi /ICWA_NewDelhi www.icwa.in

/company/indian-council-of-world-affairs1

आईसीडब्ल्यूए, सप्रू हाउस, बाराखंभा रोड, नई दिल्ली - 110001 द्वारा प्रकाशित समाचार पत्रक

वेबसाइट: https://www.icwa.in; दूरभाष नं 011-23317246 फैक्स नंबर 011-23310638